न्यूज़लेटर एवं अपील 2025

"मैं जानता हूँ कि वह ईश्वर ही हैं जो मेरे मुख से बोलते हैं।
सेल्फ़-रियलाइज़ेशन [योगदा सत्संग] की वाणी ईश्वर की वाणी है।
उसका अनुसरण करें। ईश्वर की भूखी महान्-महान् आत्माएँ इस मार्ग का
अनुसरण कर रही हैं और ईश्वर सान्निध्य का अमृतपान कर रही हैं।
इन शिक्षाओं का अभ्यास करें, तब आप भी देखेंगे
जीवन कितना सुन्दर बन जाता है।"

— श्री श्री परमहंस योगानन्द

Yogoda Satsanga Society of India

FOUNDED 1917 BY PARAMAHANSA YOGANANDA

स्वामी चिदानन्दजी की भारत और नेपाल यात्रा — 2025

राँची

चेन्नई

अहमदाबाद

बेंगलुरु

नेपाल

नोएडा

*प्रि*य दिव्य आत्मन्,

गुरुदेव श्री श्री परमहंस योगानन्द के आश्रमों में हम सभी की ओर से अभिवादन और सस्नेह प्रणाम।

आपकी प्रार्थनाओं, सद्भावना, और निरंतर सहयोग के माध्यम से प्राप्त अनेक उपलब्धियों को आपके साथ साझा करते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है।

इस वर्ष की अनेक उपलब्धियों में से कुछ इस प्रकार हैं :

- हमारे आदरणीय अध्यक्ष एवं आध्यात्मिक प्रमुख श्री श्री स्वामी चिदानन्द गिरि की भारत और नेपाल यात्रा;
- सम्पूर्ण दक्षिण भारत के लिए एक आध्यात्मिक आश्रय स्थल बनने वाले, वाईएसएस चेन्नई आश्रम के लिए एक मास्टर प्लान का विकास;
- इस वर्ष कुंभ मेले में आयोजित वाईएसएस शिविर, जहाँ हजारों लोगों ने आध्यात्मिक भारत की शाश्वत आनंदमय आत्मा का अनुभव किया;
- वाईएसएस आश्रमों में पहली बार 2025 एसआरएफ़ वर्ल्ड कॉन्वोकेशन के प्रसारण के माध्यम से संपूर्ण भारत के भक्तों को हमारे वैश्विक परिवार के साथ जोड़ना;
- ऑनलाइन ध्यान केंद्र के अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में विस्तार के द्वारा भक्तों के एक बड़े वर्ग तक ध्यान और सत्संग की सुविधा की उपलब्धता; और
- विभिन्न भारतीय भाषाओं में नए वाईएसएस प्रकाशन।

इसके साथ ही, इन कार्यों के माध्यम से वाईएसएस "अपनी ही बृहद् आत्मा (परमात्मा) के रूप में मानवजाति" की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखता है : योग्य छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ; धर्मार्थ चिकित्सा कार्य और आपदा राहत कार्य; युवा कार्यक्रम जिनके माध्यम से अगली पीढ़ी गुरुजी की "आदर्श जीवन" शिक्षाओं के अनुरूप विकसित होती है। ये सभी प्रयास संतुलित जीवन, प्रेममय सत्संग, निःस्वार्थ सेवा, और ईश्वर के साथ एकात्मता के माध्यम से भविष्य में एक बेहतर विश्व निर्माण करने के गुरुदेव के स्वप्न को साकार करने में योगदान देते हैं।

यह सब आप जैसे भक्तों के प्रेम और उदारता से ही संभव है। हार्दिक कृतज्ञता के साथ, हम आपको इन उपलब्धियों के आनंद में सम्मिलित होने और गुरुजी की उत्कृष्ट क्रियायोग शिक्षाओं के माध्यम से समस्त मानवजाति का आध्यात्मिक उत्थान करने वाले उनके दिव्य कार्य की प्रगति में हमारे साथ यात्रा जारी रखने के लिए आमंत्रित करते हैं।

ईश्वर और गुरुओं का आशीर्वाद सदैव आपको और आपके प्रियजनों को मार्गदर्शन एवं शक्ति प्रदान करें।

दिव्य मैत्री में,

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया

वाईएसएस चेन्नई आश्रम के लिए मास्टर प्लान

दक्षिण भारत में एक आध्यात्मिक आश्रय स्थल का निर्माण

सितंबर 2024 में, हमारे आदरणीय अध्यक्ष स्वामी चिदानन्दजी ने वाईएसएस चेन्नई रिट्रीट को एक पूर्ण वाईएसएस आश्रम के रूप में विकसित करने की औपचारिक रूप से घोषणा की। तब से, वहाँ आयोजित होने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रमों की बढ़ती संख्या के साथ-साथ भक्तों की बड़ी भागीदारी ने दक्षिण भारत में एक आध्यात्मिक आश्रय स्थल — एक ऐसे आश्रम जो वर्तमान और भविष्य में अनेक सत्यान्वेषियों को ईश्वर-एकात्मता, सत्संग, और दिव्य प्रेरणा के प्रति आकर्षित करेगा — के निर्माण की आवश्यकता को और अधिक दृढ़ता प्रदान की है।

इस पवित्र स्वप्न को साकार करने के लिए कुशल वास्तुकारों और अभियंताओं की निपुणता का प्रयोग करते हुए एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया गया है। हमारा लक्ष्य एक शांत, हरे-भरे, सुंदर भूदृश्य वाले परिसर का निर्माण करना है जहाँ भक्तजन आकर, माँ प्रकृति की गोद में रहते हुए, गहन ध्यान तथा गुरुदेव की शिक्षाओं के अध्ययन एवं चिंतन में लीन हो सकें।

इस वर्ष फरवरी में अपनी यात्रा के दौरान, स्वामी चिदानन्दजी ने व्यक्तिगत रूप से चेन्नई आश्रम की यात्रा की और मास्टर प्लान की समीक्षा की तथा उन्होंने इस परियोजना को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

परियोजना का संक्षिप्त विवरण

भवनों की नींव का निर्माण (₹10 करोड़)

भूमि समतलीकरण तथा बाहरी सीमारेखा पर सडकों, पैदल मार्गों, वर्षा जल निकासी नालियों, और अन्य सुविधाओं के लिए ट्रेंचेस का निर्माण।

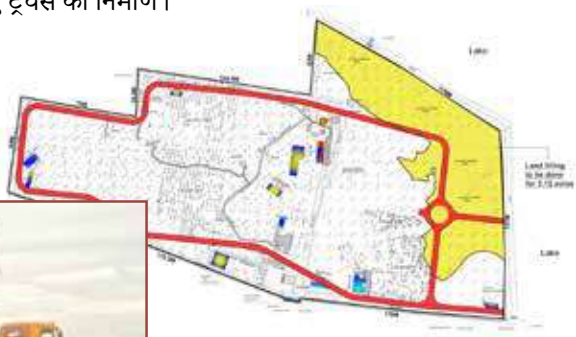

ऊपर दिए गए मानचित्र में पीले रंग से चिह्नित भूमि का समतलीकरण कार्य प्रारंभ हो चुका है। समतलीकरण के लिए एक ट्रक से मिट्टी उतारी जा रही है ***(बाएँ)****।*

चरण I : ध्यान और आवास सुविधाएँ (₹55 करोड़)

- 1,200 भक्तों के लिए एक ध्यान कक्ष
- 100 भक्तों और 25 संन्यासियों के लिए आवास
- रसोई और भोजन कक्ष
- बाल सत्संग सुविधाएँ
- प्रशासनिक भवन
- पुस्तक भण्डारगृह

चरण II : विस्तार और भविष्य की दृष्टि से सुविधाओं का निर्माण (₹45 करोड़)

- एक छोटा सत्संग कक्ष
- अतिथियों के लिए अतिरिक्त आवास
- सेवक आवास
- सौर ऊर्जा और अन्य सुविधाएँ

परियोजना के अंतर्गत नींव संबंधी कार्यों और चरण I के लिए कुल वित्तीय आवश्यकता ₹65 करोड़ है। इस लक्ष्य को साकार करने में आपके सहयोग का हम हार्दिक स्वागत करते हैं।

स्वामी चिदानन्द गिरि, वाईएसएस चेन्नई आश्रम में निर्माण-स्थल वास्तुकार के साथ

वाईएसएस/एसआरएफ़ अध्यक्ष की भारत यात्रा

श्री श्री स्वामी चिदानन्द गिरि ने फरवरी-मार्च 2025 में भारत और नेपाल की यात्रा की, जिसमें वे बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, और काठमांडू गए। प्रत्येक स्थान पर एक विशेष एक-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वामीजी द्वारा प्रातःकालीन तीन घंटे का ध्यान और सायंकाल में प्रेरणादायक और आत्मा को जाग्रत करने वाला एक सत्संग सम्मिलित था।

इन कार्यक्रमों का आयोजन अनेक समर्पित स्वयंसेवकों के निष्ठापूर्ण प्रयासों से ही संभव हुआ, जिनकी निःस्वार्थ सेवा और प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप इनका संचालन सुचारू रूप से पूर्ण हुआ। हम उन सभी स्वयंसेवकों के अमूल्य सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कुछ भक्तों के अनुभव नीचे साझा किए जा रहे हैं :

स्वामी चिदानन्दजी का एक-दिवसीय कार्यक्रम एक रूपांतरकारी अनुभव था... तीन घंटे का ध्यान अविश्वसनीय रूप से गहन एवं शांति से भरपूर था।...मुझे एक अद्भुत सहजता और विश्वास का अनुभव हुआ, मानो मेरे संदेह समाप्त हो रहे थे। उनका आगमन, मात्र एक कार्यक्रम ही नहीं अपितु एक जागृति थी। उनके शब्दों, उनकी उपस्थिति, और समारोह की सामूहिक शक्ति ने एक चिरस्थायी अनुभव का निर्माण किया।

— वी., तमिलनाडु

इस कार्यक्रम के माध्यम से गुरुजी और वाईएसएस का प्रत्येक आदर्श प्रतिबिंबित हो रहा था — करुणा, सुव्यवस्था, शालीनता, शांति, इत्यादि। मैं इस कार्यक्रम में स्वामी चिदानन्दजी के साक्षात् दर्शन के अवसर के अतिरिक्त अन्य किसी आशा के साथ नहीं आया था। फिर भी मैं अपने साथ ऐसी अनेक वस्तुएँ लेकर वापस गया जिनकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी।

— ए. डी., कर्नाटक

कुंभ मेले में एक पवित्र समारोह

10 जनवरी से 15 फरवरी, 2025 तक, योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया ने प्रयागराज के कुंभ मेले में एक आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया। इस अवधि में भारत और अन्य देशों से 2,500 से अधिक वाईएसएस/एसआरएफ़ भक्त इस शिविर में आकर ठहरे, और उन्होंने मेले के पवित्र वातावरण में दिव्य संगति (सत्संग) का आनंद लिया।

वाईएसएस संन्यासियों ने प्रतिदिन ध्यान, कीर्तन, और सत्संग का आयोजन किया, और मेले के उल्लासपूर्ण वातावरण में भक्तों के लिए एक छोटे आध्यात्मिक आश्रय-स्थल का निर्माण किया। इस शिविर ने गुरुदेव के विश्वव्यापी आध्यात्मिक परिवार के भक्तों को कुंभ मेले के वातावरण में गुरुदेव द्वारा प्रदत्त साधना का अभ्यास करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान किया। वाईएसएस ने शिविर स्थल पर एक धर्मार्थ चिकित्सालय चलाया जहाँ स्वयंसेवी चिकित्सकों ने हजारों तीर्थयात्रियों की देखभाल की और उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ दीं। अनेकों सत्यान्वेषियों ने वाईएसएस पुस्तक विक्रय केंद्र पर आकर गुरुजी की पुस्तकों से प्रेरणा एवं शांति प्राप्त की।

शिविर में ठहरने वाले एक भक्त ने बताया : *"शिविर में आकर ऐसा लगा जैसे मैं अपने घर आ गया हूँ। अपने गुरुजी के प्रेम एवं स्नेह से मैं अत्यंत प्रसन्न एवं शांत था, और संपूर्ण अनुभव दिव्य था। उन सभी स्वयंसेवक भक्तों का धन्यवाद जिन्होंने इतने प्रेमपूर्वक अपनी सेवाएँ प्रदान कीं — हम उन सब में गुरुजी की विद्यमानता का अनुभव कर सकते थे। उन्हें ईश्वर और गुरुओं की भरपूर कृपा प्राप्त हो।"*

साधना संगम और संन्यासियों के दौरे

साधना संगम

इस वर्ष, राँची, नोएडा, दक्षिणेश्वर, चेन्नई स्थित वाईएसएस आश्रमों, और इगतपुरी स्थित परमहंस योगानन्द साधनालय में आयोजित साधना संगमों में भारत और अन्य देशों से लगभग 4,000 भक्तों ने भाग लिया। यह आध्यात्मिक नवीकरण, और ईश्वर एवं गुरुदेव के साथ गहन एकात्मता का एक अनमोल अवसर था।

नोएडा

दक्षिणेश्वर

चेन्नई

राँची

संन्यासियों के दौरे

योगानन्दजी के कालातीत ज्ञान को व्यापक रूप से साझा करते हुए, वाईएसएस संन्यासियों ने 50 से अधिक शहरों की यात्रा की तथा परम पूज्य गुरुदेव की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए भक्तों की सहायता करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों का आयोजन किया। अनेक स्थानों पर, सार्वजनिक व्याख्यानों के माध्यम से नए साधकों को योग ध्यान के विज्ञान का परिचय प्राप्त हुआ। *वाईएसएस पाठमाला* के योग्य सदस्यों को क्रियायोग दीक्षा प्रदान करके इन यात्राओं का सुखद समापन किया गया।

ये सभी कार्य भक्तों की प्रार्थनाओं और प्रेमपूर्ण सहयोग से ही संभव होते हैं। हम सब मिलकर साधकों को ईश्वर के निकट लाने में सहायता कर रहे हैं, और साथ ही शांति, सद्भाव, और ईश्वर की विद्यमानता से समृद्ध आध्यात्मिक रूप से जाग्रत विश्व जो कि, गुरुजी का एक स्वप्न है, को साकार करने की दिशा में प्रगति कर रहे हैं।

अनंतपुर

कुल्लू

चेन्नई

बिलासपुर

तेनाली

हासन

पटना

तिरुवरुर

काठमांडू, नेपाल

पोखरा, नेपाल

जालंधर

सोलन

विजयवाड़ा

कोटा

बेंगलुरु

मंडी

वाईएसएस आश्रमों में पहली बार एसआरएफ़ कॉन्वोकेशन का प्रसारण

पहली बार, संपूर्ण भारत के वाईएसएस आश्रमों ने एसआरएफ़ वर्ल्ड कॉन्वोकेशन (23–29 जून, 2025) के प्रसारण की स्क्रीनिंग करने के लिए भक्तों को आमंत्रित किया, जिससे लगभग 350 भक्तों को आश्रम के प्रेरणादायक वातावरण में डूबकर इस पवित्र वैश्विक समारोह में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। भक्तों ने एसआरएफ़ संन्यासियों द्वारा दिए गए प्रेरक प्रवचनों और कक्षाओं (जिन्हें दिन में प्रसारित किया जाता था) के माध्यम से अभिव्यक्त गुरुदेव के शाश्वत ज्ञान में स्वयं को तल्लीन कर दिया। उन्हें वाईएसएस संन्यासियों द्वारा निर्देशित दैनिक सामूहिक ध्यान में भाग लेने और परमहंसजी की शिक्षाओं और आध्यात्मिक अभ्यासों से संबंधित व्यक्तिगत परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आदरणीय स्वामी चिदानन्दजी द्वारा संचालित तीन घंटे का ध्यान और उनका सायंकालीन सत्संग था।

दक्षिणेश्वर

राँची

नोएडा

द्वाराहाट

चेन्नई

आश्रमों, केंद्रों, और मंडलियों में आयोजित समारोह

देश भर में वाईएसएस आश्रमों, केंद्रों, और मंडलियों में श्रद्धापूर्वक योगदा गुरुओं के आविर्भाव और महासमाधि दिवस समारोहों का आयोजन किया गया, जिनमें भक्तिमय कीर्तन, प्रभात फेरियाँ, धर्मार्थ गतिविधियाँ, और भंडारे सम्मिलित थे।

जन्मोत्सव समारोह

राँची

दक्षिणेश्वर

नोएडा

তেলারী

চেন্নই

দ্বারাহাট

ধারবাড়

গুরুগ্রাম

দেহরাদুন

লখনঊ

New Book Releases

Journey to Self-realization
Hindi

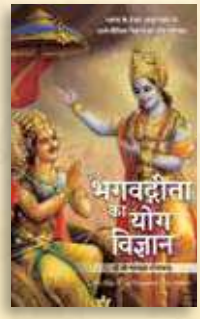

The Yoga of the Bhagavad Gita
Hindi

Two Frogs in Trouble
Hindi

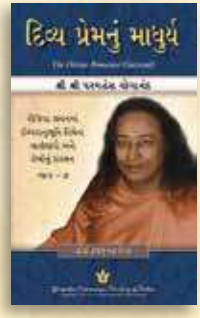

The Divine Romance
Gujarati

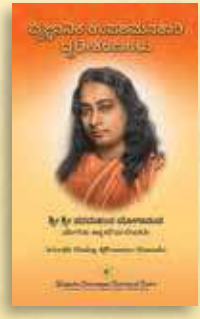

Scientific Healing Affirmations
Kannada

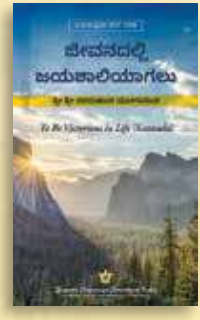

To Be Victorious in Life
Kannada

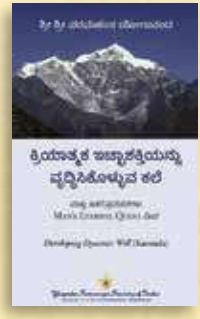

Developing Dynamic Will
Kannada

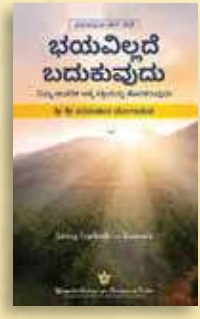

Living Fearlessly
Kannada

Metaphysical Meditations
Tamil

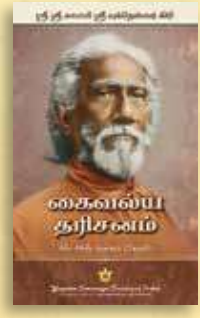

The Holy Science
Tamil

Inner Peace
Telugu

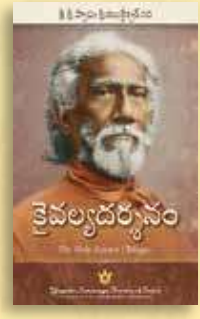

The Holy Science
Telugu

Man's Eternal Quest
Malayalam

Living Fearlessly
Malayalam

Habit – Your Master or Your Slave?
Malayalam

Developing Dynamic Will
Malayalam

New eBook Releases

Autobiography of a Yogi – Bengali

Autobiography of a Yogi – Odia

Autobiography of a Yogi – Nepali

Finding the Joy Within You – English

Also — Sayings of Paramahansa Yogananda – English, How You Can Talk With God – Kannada, The Law of Success – Kannada

Malayalam and Nepali

New Audiobooks

Autobiography of a Yogi

For complete list please visit our online bookstore

yssbooks.org

गुरु पूर्णिमा समारोह

बेंगलुरु

गड़पार, कोलकाता

दिल्ली

जयपुर

इंदौर

बाल सत्संग, नोएडा

नए ध्यान मंदिर का उद्घाटन

तुनि

हमें यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि योगदा सत्संग ध्यान केंद्र — तुनि (आंध्रप्रदेश के काकीनाडा जिले में स्थित) के भक्तों ने अथक समर्पण और हार्दिक उत्साह के साथ एक सुंदर नए ध्यान मंदिर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। इस वर्ष 25 जुलाई को ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया गया, और उसके पश्चात् वाईएसएस संन्यासियों, स्वामी स्मरणानन्द और स्वामी केदारानन्द के नेतृत्व में दो-दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सत्संग, सामूहिक ध्यान, और पवित्र क्रियायोग दीक्षा समारोह सम्मिलित थे। इस पावन अवसर पर 200 से अधिक भक्तों ने भाग लिया।

तिरुवन्नामलाई

अप्रैल में तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु में स्वामी शुद्धानन्द द्वारा एक नई ध्यान मंडली और पुस्तक विक्रय केंद्र का उद्घाटन किया गया। अरुणाचल पर्वत के चारों ओर पवित्र तीर्थयात्रा मार्ग — जहाँ प्रत्येक पूर्णिमा को लगभग एक लाख तीर्थयात्री आते हैं — पर स्थित यह ध्यान केंद्र गुरुजी की आध्यात्मिक शिक्षाओं के प्रसार के एक माध्यम के रूप में अत्यधिक सहायक सिद्ध हो सकता है। सत्संग, ध्यान, और वाईएसएस पुस्तकों के माध्यम से, यहाँ तीर्थयात्रा के लिए आने वाले असंख्य साधकों को अब हमारे प्रिय गुरुदेव की आत्मा को मुक्ति प्रदान करने वाली शिक्षाओं को जानने का अवसर प्राप्त होगा।

ऑनलाइन ध्यान केंद्र – नए उपक्रम

पूरे भारत के भक्तों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए, ऑनलाइन ध्यान केंद्र ने वर्तमान अंग्रेजी, हिंदी, बंगला, कन्नड़, तमिल, और तेलुगु भाषाओं में आयोजित होने वाले ध्यान कार्यक्रमों के साथ-साथ मलयालम में भी भक्तों द्वारा निर्देशित ध्यान कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले, मूल पाठमाला अध्ययन समूह के साथ-साथ, अब प्रत्येक सोमवार को सायंकाल, अनुपूरक पाठमाला के अध्ययन के लिए एक नया पाठमाला अध्ययन समूह प्रारंभ किया जा रहा है।

ये पहल गुरुदेव की शिक्षाओं को उन अनेक भक्तों के घर तक पहुँचाने में सहायता कर रहीं हैं, जो वाईएसएस ध्यान केंद्र के निकट नहीं रहते हैं — उन्हें सामूहिक ध्यान और आध्यात्मिक अध्ययन का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

द्वाराहाट

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, वाईएसएस ने शरीर, मन, और आत्मा के कल्याण हेतु क्रियायोग के अभ्यास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑनलाइन और व्यक्तिगत, दोनों प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया। वाईएसएस संन्यासियों ने अंग्रेजी और विभिन्न भारतीय भाषाओं में योग और ध्यान पर परिचयात्मक सत्र आयोजित किए। ऑनलाइन सत्रों को 70,000 से अधिक बार देखा गया और हजारों लोगों ने हमारे आश्रमों और केंद्रों में आयोजित व्यक्तिगत कार्यक्रमों में भाग लिया।

विजयवाड़ा

राँची

प्रसार कार्यक्रम

पुस्तक मेले

इस वर्ष, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, और अहमदाबाद सहित संपूर्ण भारत के 40 शहरों में पुस्तक मेलों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से जीवन के सभी क्षेत्रों के साधकों को श्री श्री परमहंस योगानन्द की रचनाओं से परिचित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

चेन्नई

पुणे

दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट में शिक्षाओं के प्रसार हेतु व्याख्यान

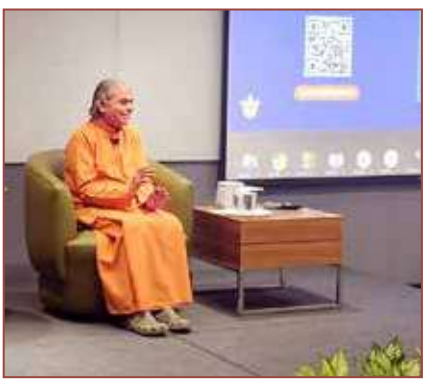

वाईएसएस के वरिष्ठ संन्यासी, स्वामी स्मरणानन्द गिरि ने हैदराबाद, बेंगलुरु, और नोएडा स्थित माइक्रोसॉफ्ट कार्यालयों में प्रेरणादायक व्याख्यानों की एक श्रृंखला दी, जिसमें उन्होंने ध्यान के माध्यम से अंतर्ज्ञान और रचनात्मकता को जाग्रत करने के विषय में श्री श्री परमहंस योगानन्द की शिक्षाओं को साझा किया। इन सत्रों में 200 से अधिक नए सत्यान्वेषियों ने *वाईएसएस पाठमाला* के लिए पंजीकरण कराया।

युवाओं की सेवा

राँची, नोएडा, और चेन्नई में बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर

श्री श्री परमहंस योगानन्द के सरल एवं समग्र जीवन के आदर्श से प्रेरित होकर इस वर्ष हमारे राँची, नोएडा, और चेन्नई स्थित आश्रमों में हर्षोल्लास के साथ बालकों और बालिकाओं के लिए वार्षिक ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया गया। अनुभवी भक्त-शिक्षकों के मार्गदर्शन में, बच्चों ने एकाग्रता, चरित्र के विकास, इच्छाशक्ति, और आत्मनिरीक्षण के विषय में शिक्षा प्राप्त करने के लिए "आदर्श-जीवन" कक्षाओं की एक श्रृंखला में भाग लिया। उनके दैनिक कार्यक्रम में सामूहिक ध्यान, शक्ति-संचार व्यायाम, योगासन, और चित्रकला एवं शिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ सम्मिलित थीं। विभिन्न शिविरों में 300 से अधिक बच्चों ने भाग लिया, तथा इन शिविरों ने उन्हें आध्यात्मिक जीवन का आधार प्रदान किया जो उनके पूरे जीवन में एक मार्गदर्शक के रूप में काम कर सकता है।

बच्चों का शिविर, राँची

बच्चों का शिविर, द्वाराहाट

बालकों का शिविर, नोएडा

बालिकाओं का शिविर, नोएडा

राँची में युवा साधक कार्यक्रम

हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वाईएसएस ने युवा साधकों — 23 से 35 वर्ष आयु वर्ग के भक्तों — के लिए राँची आश्रम में 10 से 14 सितंबर, 2025 तक अपना पहला साधना संगम आयोजित किया, जिसमें 200 से अधिक साधकों ने भाग लिया।

यह विशेष आयोजन जीवन में स्पष्टता, शक्ति, और उद्देश्य विकसित करने हेतु श्री श्री परमहंस योगानन्द की सार्वभौमिक शिक्षाओं में युवाओं की गहन होती रुचि को दर्शाता है।

विचारपूर्वक तैयार किए गए इस कार्यक्रम में निर्देशित ध्यान, *वाईएसएस पाठों* का सामूहिक अध्ययन, सत्संग, कार्यशालाएँ, सेवा के अवसर, मनोरंजन, और रात्रिकालीन आत्मनिरीक्षण शामिल थे — प्रत्येक अंग गुरुजी की शिक्षाओं पर आधारित एक संतुलित जीवन शैली को प्रेरित करता है। संगम में, जीवन के निर्णयों के लिए आध्यात्मिक ज्ञान का प्रयोग, दैनिक जीवन में सामंजस्य स्थापित करना और आध्यात्मिक आदतों का विकास करना जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया।

संगम ने युवा भक्तों को गुरुजी के मार्गदर्शन में लीन होने, स्थायी आध्यात्मिक मैत्री का निर्माण करने, तथा अपने आंतरिक जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यावहारिक साधनों के साथ घर लौटने का एक महान् अवसर प्रदान किया।

जगन्नाथपुर, राँची में वाईएसएस शैक्षणिक संस्थान

योगदा सत्संग महाविद्यालय, राँची में, हम अपने युवाओं की निरंतर सफलता को देखकर कृतार्थ हैं। हाल ही में आयोजित बोर्ड परीक्षाओं में, इण्टरमीडिएट वर्ग (10+2) के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता का प्रदर्शन किया और राज्य स्तर पर विशेष योग्यता प्राप्त की। वाणिज्य के एक छात्र ने राँची में प्रथम और राज्य में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया, जबकि एक अन्य छात्र ने राँची में तीसरा और राज्य में सातवाँ स्थान प्राप्त किया।

ये उपलब्धियाँ न केवल हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत, अपितु गुरुजी के आदर्श-जीवन सिद्धांतों के उत्थानकारी प्रभाव का भी प्रमाण हैं, जो युवा मन को आध्यात्मिक मूल्यों पर दृढ़ रहते हुए उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित करते हैं।

नए प्रकाशन

वाईएसएस वेबसाइट अब बंगला और कन्नड़ में भी उपलब्ध

हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वाईएसएस वेबसाइट अब अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, और तेलुगु के अतिरिक्त बंगला और कन्नड़ में भी उपलब्ध है — जिससे गुरुजी की शिक्षाएँ और वेबसाइट पर उपलब्ध आध्यात्मिक संसाधनों का खजाना और भी अधिक भक्तों के लिए उनकी अपनी मातृभाषा में सुलभ हो गया है।

नए प्रकाशन

इस वर्ष, वाईएसएस की सोलह पुस्तकों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद प्रकाशित किया गया।

*उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, भगवद्गीता का योग विज्ञान पुस्तक का विमोचन करते हुए **(बाएँ)**, और वाईएसएस संन्यासियों द्वारा आंतरिक शांति पुस्तक के तेलुगु संस्करण का विमोचन **(दाएँ)**।*

अपनी भारत और नेपाल यात्रा में स्वामी चिदानन्दजी ने वाईएसएस की अनेक पुस्तकों का विमोचन किया।

बाएँ से दाएँ : मानव की निरंतर खोज *का मलयालम संस्करण,* दिव्य प्रेम-लीला *का गुजराती संस्करण, और* योगी कथामृत *के उड़िया अनुवाद का ई-बुक संस्करण।*

इस वर्ष वाईएसएस पुस्तकों के सात नए ई-बुक संस्करण भी प्रकाशित किए गए, जिनमें *योगी कथामृत* के बंगला, नेपाली, और उड़िआ भाषाओं में अनुवाद भी सम्मिलित है।

इस वर्ष, वाईएसएस ने *योगी कथामृत* की नेपाली और मलयालम में दो नई ऑडियोबुक भी प्रकाशित कीं।

नेपाल यात्रा के दौरान काठमांडू में वाईएसएस संन्यासियों द्वारा योगी कथामृत के नेपाली ऑडियोबुक संस्करण का विमोचन।

जरूरतमंदों के लिए सामग्री, चिकित्सा, और शैक्षिक सहायता

उत्तराखंड राहत कार्य

उत्तराखंड में बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया ने राज्य सरकार को आर्थिक सहायता प्रदान की। सितंबर में, वाईएसएस संन्यासियों, स्वामी ईश्वरानन्द और स्वामी धैर्यानन्द ने देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की और पहले से जारी राहत कार्यों में सहायता करने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु ₹25 लाख का एक चेक भेंट किया।

चेन्नई आश्रम के पास वाईएसएस धर्मार्थ औषधालय का उद्घाटन

वाईएसएस चेन्नई आश्रम से मात्र 1.5 किलोमीटर दूर स्थित एक धर्मार्थ औषधालय का उद्घाटन इसी वर्ष जून में किया गया। 11 भक्त-चिकित्सकों के सहयोग से, यह स्थानीय वंचित समुदाय को सेवाएँ प्रदान कर रहा है। सप्ताह में पाँच दिन खुलने वाला यह औषधालय निःशुल्क परामर्श और दवाइयाँ प्रदान करता है, और अब तक एक हजार से अधिक रोगियों को चिकित्सा सेवा प्रदान कर चुका है।

द्वाराहाट आश्रम द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर

अप्रैल 2025 में योगदा सत्संग शाखा आश्रम, द्वाराहाट में एक तीन-दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आश्रम में आयोजित मुख्य शिविर के साथ-साथ, सुरईखेत और खोलियाबाज जैसे दूरस्थ गाँवों में छोटे-छोटे शिविरों का आयोजन किया गया,

जिनके माध्यम से वंचित समुदायों को अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं। इन दिनों में प्रदान की गई मानवीय सेवा से द्वाराहाट क्षेत्र के कुल 2,000 से अधिक लोगों को लाभ हुआ।

इस शिविर का आयोजन पूरे भारत से सेवा प्रदान करने के लिए आए लगभग 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों और 5 चिकित्सा-सहायकों के एक समर्पित दल के स्नेहपूर्ण प्रयासों से संभव हुआ। अगले चिकित्सा शिविर का आयोजन नवंबर 2025 में करने की योजना है।

वार्षिक छात्रवृत्तियाँ

संसाधनों और सुख-सुविधाओं से वंचित परिवारों के योग्य और मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करके वाईएसएस उनकी निरंतर सेवा कर रहा है। गत वर्ष ₹75 लाख की छात्रवृत्तियों का वितरण किया गया।

आपका सहयोग अत्यंत सराहनीय है

जैसे-जैसे गुरुजी का पवित्र कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है, हमें सत्य और आंतरिक शांति की खोज कर रहे सच्चे साधकों की सेवा करने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह दिव्य कार्य केवल आप जैसे भक्तों — जो गुरुजी के आत्मा को मुक्ति प्रदान करने वाले क्रियायोग संदेश को ईश्वरीय प्रेम एवं प्रकाश के लिए लालायित असंख्य आत्माओं तक पहुँचाने में सहायता करते हैं — के दृढ़ प्रेम और उदार सहयोग से ही संभव होता है।

इस पवित्र कार्य में सम्मिलित होने के लिए हम आपको हार्दिक आमंत्रण देते हैं। आपका योगदान — **donateyss.org** पर ऑनलाइन अथवा आपके निकटतम वाईएसएस आश्रम, केंद्र, या मंडली में जाकर किए गए दान के माध्यम से — असंख्य आत्माओं को दिव्य प्रेरणा, आशा और सांत्वना प्रदान करने में हमारी सहायता करता है।

इस पवित्र कार्य की वृद्धि के लिए आपकी प्रार्थनाएँ, तथा सामूहिक ध्यान, सेवा, और गुरुदेव की शिक्षाओं के दैनिक अभ्यास में आपकी उत्साहपूर्ण भागीदारी, हमारे लिए, तथा ईश्वर और गुरुओं के लिए अत्यंत मूल्यवान है। सहयोग की किसी भी रूप में की गई प्रत्येक अभिव्यक्ति हमारे प्रिय गुरुदेव के प्रेम एवं आनंद का संपूर्ण विश्व में विस्तार करने का एक पवित्र माध्यम बन जाती है।

Yogoda Satsanga Society of India is recognized as a charitable society (PAN: AAATY0283H) under the provisions of the Income Tax Act, 1961. Contributions made to this Society are Income Tax deductible under Section 80-G of the said Act. **You may also donate online at donateyss.org**

Donations may also be made by an A/c Payee Cheque payable to **Yogoda Satsanga Society of India**; and sent to Yogoda Satsanga Society of India, Paramahansa Yogananda Path, Ranchi 834 001, Jharkhand.

DONATION ADVICE

Yogoda Satsanga Society of India
Paramahansa Yogananda Path
Ranchi 834 001
Jharkhand

Dear Friends,

Please accept my/our donation of ₹ _____ (Rupees _____ _____ only) which is offered voluntarily for use by Yogoda Satsanga Society of India to form part of its corpus and/or for the purpose(s) indicated overleaf.

Name _____
in BLOCK LETTERS

Address _____

_____

_____

Mobile No. _____
Mandatory

PAN/Aadhaar _____
Mandatory

Email _____

Lesson Reg. No. L – _____
(if available)

Paid by : ❑ UPI ❑ Card ❑ Cheque/DD ❑ Cash ❑ Others

Payment details : _____
UPI ID / Cheque No., Bank Name, etc.

_____

Signature _____

Date _____ Place _____

see overleaf

DONATION TOWARDS **Amount in ₹**

Please tick (✓) the relevant box(es)

A. CORPUS DONATION

- ❑ **YSS of India Fund** ..... _____
  To form part of the corpus of the Society which will be used to fulfil the objects of the Society
- ❑ **Kendra Fund** ..... _____
  Any projects or activities at Ashrams/Kendras/Mandalis/Retreats:

  _____ _____
  (Please specify the name of the place or project)

B. CONTRIBUTION *(for the following specific purposes)*

- ❑ **YSS Publications** ..... _____
- ❑ **How-to-Live Yoga Training** ..... _____
- ❑ **Educational Seva** ..... _____
- ❑ **Medical Seva** ..... _____
- ❑ **Natural Calamities Relief** ..... _____
- ❑ **Welfare of Poor** ..... _____

C. GENERAL DONATION ..... _____

Total _____

New Release

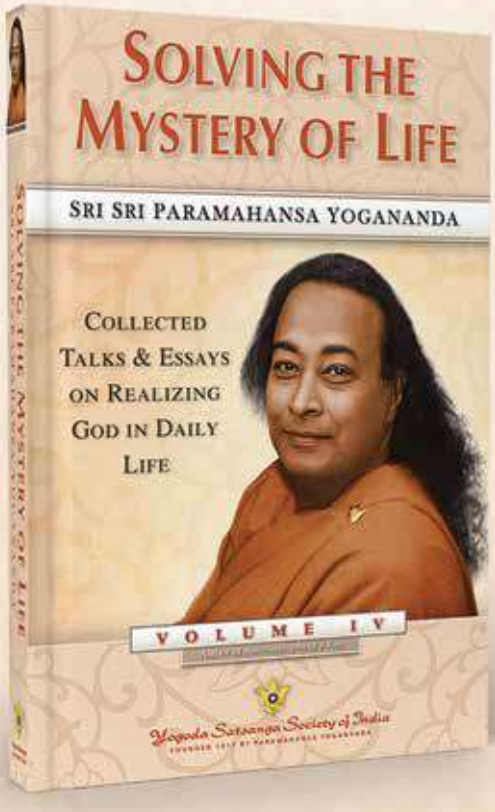

Solving the Mystery of Life

A Modern Guide to Spiritual Living

For those seeking greater understanding, *Solving the Mystery of Life* is more than a book — it is a guide to living with purpose, peace, and divine connection.

The highly anticipated fourth volume in Paramahansa Yogananda's acclaimed anthology series, *Collected Talks and Essays on Realizing God in Daily Life*, is now available.

yssbooks.org

New Release

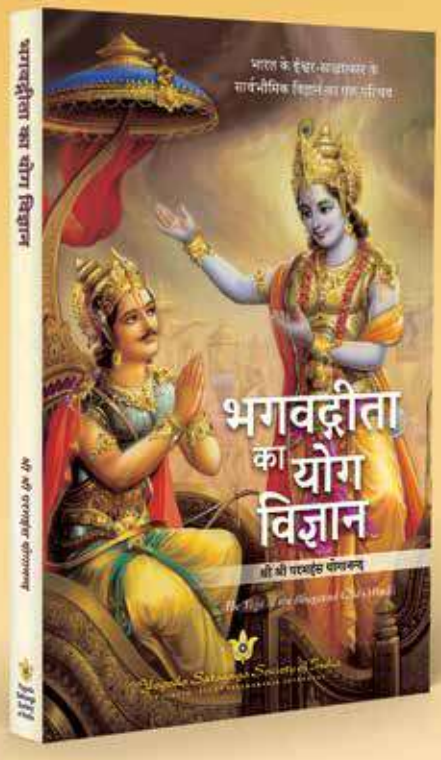

भगवद्गीता का योग विज्ञान

परमहंस योगानन्द की भगवद्गीता के मूल अनुवाद का पहली बार क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुतिकरण

इसमें सम्मिलित हैं :

- सतत् व्यक्तिगत विकास के लिए आत्म-विश्लेषण तथा अंतर्निरीक्षण का प्रयोग करना
- शांति एवं आंतरिक सामंजस्यपूर्ण जीवन का निर्माण करने के लिए योग की विधियाँ
- आध्यात्मिक उन्नति में जो सहायक हैं — और जो बाधक हैं — उन मनोवैज्ञानिक शक्तियों को समझना
- भौतिक एवं आध्यात्मिक लक्ष्यों का एक आदर्श संतुलन बनाना
- ध्यान और दिव्य बोध की गहन अवस्थाओं का अनुभव करना

Also available in English

yssbooks.org